तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 19.2 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 3 जून 2025

11 वन विभाग का रेलवे पर एक्शन, पेड़ काटने का काम रुकवाया, चालान तैयार करने की प्रक्रिया शुरू

12 पांच एमएम बारिश से महका 'इंदौर', सफाई की असल तस्वीर सामने, सड़ने लगे शहर में कूड़े के ढेर

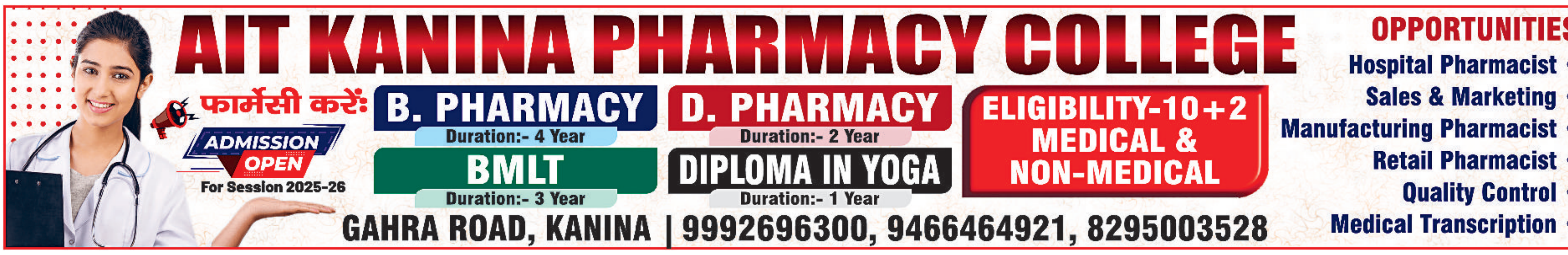

ग्रीन बेल्ट समेत कई एकड़ सरकारी जमीन अभी भी अवैध कब्जे में, खाली नहीं करा रहा प्रशासन

एचएसवीपी का अतिक्रमण हटाओ अभियान गरीबों से शुरू होकर गरीबों पर खत्म

- ग्रीन बेल्ट पर कई किलोमीटर की दूरी में किए अतिक्रमण पर एक्शन नहीं

नरेन्द्र वत्स ▸▸। रेवाड़ी

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने सोमवार को एक बार फिर कोर्ट परिसर के सामने टैंट लगाकर आजीविका कमाने वाले लुहार परिवारों के आसियानों पर जेसीबी चलाकर उनका सामान तक तोड़ दिया। अतिक्रमण हटाने के नाम एचएसवीपी की कार्रवाई लगभग हर साल इन्हीं परिवारों पर होती है। अभियान की शुरूआत इन लुहार परिवारों के डेरे उजाड़ने से शुरू होकर इसी जगह पर दम तोड़ देती है। प्राधिकरण की अरबों रुपये की जमीन अतिक्रमण की चपेट में हैं, लेकिन कार्रवाई की गाज असहाय लोगों पर ही पड़ती है। एचएसवीपी को सोमवार को कोर्ट परिसर के सामने एक प्लॉट का कब्जा दिलाने के लिए उसे खाली कराना था। इसके लिए पुलिस बल और ड्यूटी मेजिस्ट्रेट के साथ प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची थी। एसडीओ प्रविंद्र कुमार और जेई शमशेर सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने प्लॉट तो खाली करा दिया, परंतु साथ ही सड़क किनारे मिट्टी के बर्तन बेचकर गुजारा करने वाले लुहार व अन्य परिवारों के आशियाने भी इस बहाने जेसीबी मशीन से तोड़ दिए गए। जेसीबी की इस कार्रवाई से मिट्टी के बर्तन बेचकर रोजी कमाने वाले गरीब लोगों के बर्तन तक टूट गए। एक बुजुर्ग महिला का खोखा तक जेसीबी मशीन से धराशाही कर दिया गया। उसकी आंखों में छलकते आंसुओं के साथ मुंह से एक ही आवाज निकल रही थी कि अधिकारी उसका खोखा तोड़ने के साथ-साथ प्रभावशाली लोगों का किया हुआ अतिक्रमण हटवाने से क्यों बच रहे हैं। उसकी आंखों से रोजी का संकट साफ देखने को मिल रहा था। इन लोगों का एचएसवीपी की जमीन पर पुख्ता कब्जा नहीं है, परंतु इसके बावजूद हर बार यही लोग अतिक्रमण हटाओ अभियान के सबसे बड़े 'विलेन' साबित कर दिए जाते हैं।

रेवाड़ी। एचएसवीपी की जमीन से अतिक्रमण हटाती जेसीबी मशीन, अतिक्रमण हटाते समय मौके पर मौजूद पुलिसबल। फोटो :हरिभूमि

बरसात के मौसम में ही होता एक्शन

एचएसवीपी की ओर से इस स्थान पर अतिक्रमण हटाने का दिखावा तीन साल में आधा दर्जन से अधिक बार किया जा चुका है। इस स्थान पर ज्यादातर गरीब गाड़िया लुहार अस्थाई टैंट लगाकर मिट्टी के बर्तन व अन्य सामान बेचकर आजीविका कमाते हैं। इन परिवारों में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। प्राधिकरण की कार्रवाई अक्सर बरसात के मौसम में होती है, इन परिवारों के सिर से पानी का बचाव करने वाली छत को भी मिट्टी में मिला दिया जाता है।

पूर्व में भाजपा नेता ने रुकवाई जेसीबी

लगभग दो साल पहले भी इसी स्थान पर एचएसवीपी ने बारिश के मौसम में इन परिवारों को बेघर करने के लिए जेसीबी चलाना शुरू कर दिया था। मामला भाजपा नेता डा. अरविंद यादव की जानकारी में आया, तो वह मौके पर पहुंच गए। बारिश का सीजन होने के कारण उन्होंने सरकारी स्तर पर हस्तक्षेप करते हुए एचएसवीपी की कार्रवाई को रुकवा दिया था। इस दौरान एक कनिष्ठ अधिकारी के साथ उनकी बहस भी हो गई थी। इस बार भी बारिश के सीजन में इन्हीं परिवारों पर जेसीबी चलाई गई है।

रेवाड़ी। एचएसवीपी की जमीन पर किया गया अतिक्रमण। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। एचएसवीपी की ग्रीन बेल्ट पर किया गया अतिक्रमण। फोटो :हरिभूमि

प्लॉट का कब्जा दिलाने आए थे

एचएसवीपी के प्लॉट के अलॉटी को कब्जा दिलाने के आदेश मिले थे। इन आदेशों को अमलीजामा पहनाने के लिए कार्रवाई की गई थी। पास में ही एचएसवीपी की जमीन पर अतिक्रमण मिला, तो उसे भी खाली कराने की कार्रवाई अमल में लाई गई। इन लोगों को बार-बार जमीन खाली करने के नोटिस दिए जाते हैं, परंतु यह लोग जमीन खाली नहीं करते।
-प्रविंद्र कुमार, एसडीओ, एचएसवीपी।

अरबों रुपये की जमीन पर अतिक्रमण

चौ. रणबीर सिंह हुड्डा चौक से लेकर राव अभयसिंह चौक तक एचएसवीपी की करोड़ों रुपये की जमीन है। इस जमीन पर बड़ी संख्या में प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण किया हुआ है। एचएसवीपी के अधिकारियों ने लगभग 3 साल पहले 28 एकड़ से ज्यादा जमीन चिन्हित करने के बाद अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया था, परंतु आज तक प्राधिकरण इस जमीन को खाली नहीं करा पाया है। बड़ी संख्या में प्रभावशाली लोगों ने ग्रीन बेल्ट की जमीन पर कब्जा जमाया हुआ है, जिसमें एक प्रभावशाली सफेदपोश भी शामिल है।

हरिभूमि सहेली

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस
5 जून

आज पर्यावरणीय प्रदूषण के जो कारण हैं, इनमें प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग भी शामिल है। विभिन्न प्रोडक्ट्स के माध्यम से प्लास्टिक हमारे शरीर में पहुंच रहा है। पानी, भोजन और हवा में घुले माइक्रोप्लास्टिक हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत घातक हैं। इसीलिए इस साल विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन' रखी गई है, ताकि लोग जागरूक हों और हरियाली फैलाने के साथ प्लास्टिक के उपयोग से बचें।

प्लास्टिक से मिले मुक्ति हरा-भरा हो हमारा पर्यावरण

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

बीते कुछ वर्षों में चमक-दमक और सहजता के नाम पर बहुत कुछ हमारी जीवनशैली से जुड़ गया है। प्लास्टिक और प्लास्टिक से बने हर तरह के प्रोडक्ट्स इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर हैं। सुविधा और सजावटी सामान बन जिंदगी का हिस्सा बना प्लास्टिक अब पूरे पर्यावरण के लिए खतरा बन गया है। प्लास्टिक के कण यानी माइक्रोप्लास्टिक मिट्टी, जल और हवा के पॉल्यूशन का अहम कारण बन गया है। यह इंसानी सेहत के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है। यही वजह है कि नदी, तालाब से लेकर धरती की गोद और समुद्र तक को कचरे से पाट रहे प्लास्टिक से दूरी बनाना जरूरी है। सरकारी प्रयासों के साथ ही हर परिवार को प्लास्टिक प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल में कमी लाने की राह पकड़नी होगी। साल 2025 की विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने पर ही फोकस्ड है। 'एंडिंग प्लास्टिक पॉल्यूशन' थीम जीवन के हर हिस्से में जगह बना चुके प्लास्टिक से मुक्ति पाने का संदेश लिए है।

स्त्रियों का रोल अहम: रोजमर्रा की एक्टिविटीज में प्लास्टिक से दूरी बनाने में महिलाओं की भूमिका बहुत अहम हो सकती है। डोमेस्टिक फ्रंट पर न सिर्फ प्लास्टिक की चीजों का विकल्प ढूंढ़ने में बल्कि इस्तेमाल में लाने का काम भी महिलाएं बखूबी कर सकती हैं। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस से जुड़ी मुहिम भी प्लास्टिक यूज घटाने और प्लास्टिक के रीयूज-रिसाइकिल को लेकर पब्लिक को अवेयर करने का ही उद्देश्य लिए है। घर-परिवार में प्लास्टिक का यूज कम करने से लेकर रिसाइकिल तक के लिए जागरूक होकर स्त्रियां पर्यावरण की पहरेदार बन सकती हैं। खासकर सिंगल यूज प्लास्टिक प्रोडक्ट्स से दूरी बनाने का कदम बहुत अहम है। यह प्रकृति ही नहीं, परिजनों की सेहत सहेजने के लिए भी जरूरी है। बीते कुछ बरसों में मिट्टी के घड़े से लेकर बच्चों के लकड़ी से बने खिलौनों तक, बहुत कुछ हमसे छूट गया है। प्लास्टिक से बनी चीजों ने जीवन में डेरा जमा लिया है। जबकि बहुत से प्रोडक्ट्स के जरिए आपके अपनों के शरीर में भी प्लास्टिक पहुंच रहा है। पानी, भोजन और हवा में घुले माइक्रोप्लास्टिक हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बन रहे हैं। इसीलिए डिस्पोजेबल बर्तनों का इस्तेमाल करने से बचें। बच्चों के टिफिन, खिलौने और दूसरे सामान भी लकड़ी, मेटल या मिट्टी के बने खरीदना ही उचित है। घर के कचरे में प्लास्टिक को अलग निकालकर प्लास्टिक रिसाइकिलिंग में मददगार बनने की भी सोचें।

आयोजनों में दिखाएं समझदारी: बच्चों की बर्थ-डे पार्टी हो या शादी-ब्याह का पारिवारिक आयोजन, नकली साज-सज्जा वाली चीजों से दूरी बनाएं। सजावट के परंपरागत तौर-तरीकों से परे ऐसे अधिकतर डेकोरेटिव सामान प्लास्टिक से ही बने होते हैं। तकलीफदेह बात यह भी है कि इन प्रोडक्ट्स को रीयूज भी नहीं किया जा सकता। ट्रेडिशनल रंग-ढंग अपनाकर महिलाएं संस्कृति से जुड़ाव रखते हुए प्रकृति के संरक्षण का काम कर सकती हैं। उत्सवीय आयोजनों से जुड़े बदलाव के फ्रंट पर आपका सहज सा कदम एक प्रभावी शुरुआत साबित हो सकता है। प्लास्टिक को खत्म होने में हजारों साल का समय लगता है। कुछ पल की दिखावटी-बनावटी खुशियों के लिए इससे धरती के आंगन को ना पाटें। सामाजिक-पारिवारिक आयोजनों में जड़ों की ओर वापसी करने की राह पकड़ते हुए पत्तल, दोने और कुल्हड़ जैसी चीजों का इस्तेमाल करें। बुनियादी जीवनशैली से जुड़ी छोटी-छोटी कोशिशों के माध्यम से प्लास्टिक से दूरी बनाना सहज ही संभव होगा। साथ ही घर में उपलब्ध रिसोर्सेज का सही इस्तेमाल करने के लिए दादी-नानी की सीख का साथ लें। संसाधनों को किफायत से इस्तेमाल करने की भी पर्यावरण सहेजने से ही जुड़ा है। आम दिन हों या उत्सवीय मौसम, घर की महिलाएं मितव्ययिता की धुरी बन सकती हैं।

बचाएं प्रकृति के रंग: पर्यावरण संरक्षण के लिए एक साथ कई मोर्चों पर सजग रहना होगा। प्लास्टिक से दूरी बनाने के साथ ही प्रकृति के रंग बचाए रखने के प्रयास भी जरूरी हैं। अपने परिवेश में हरियाली को पोसना जरूरी है। सब कुछ सहेजने वाली स्त्रियों को पेड़-पौधे लगाने के लिए ही नहीं, बचाने के लिए भी अवेयर होना होगा। हर मौसम में ही प्रदूषण के गुबार से ढंके रहने वाले

परिवेश में घर का छोटा-सा आंगन हो या आस-पड़ोस का कोई गार्डन, हरियाली को बचाए रखने के जतन जरूरी हैं। साथ ही स्वच्छता को लेकर सजग रहना भी आवश्यक है। साझी थाती कही जाने वाली प्रकृति की गोद में अब हवा-पानी हो या मिट्टी, सब कुछ तेजी से पॉल्यूट हो रहा है। चिंतनीय है कि माउंट एवरेस्ट तक पहुंच चुका प्लास्टिक, क्लाइमेट चेंज का भी बड़ा कारण है। ऐसे में प्रकृति संरक्षण के मोर्चे पर अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी लेनी ही होगी, पर्यावरण हरा-भरा बनाना होगा। कहना गलत नहीं होगा कि समाज-परिवार की धुरी कही जाने वाली स्त्रियां इस जिम्मेदारी के निर्वहन की सबसे अहम कड़ी बन सकती हैं।

साथी बने थैला

प्लास्टिक फ्री जीवन के लिए थैला सबसे अच्छा साथी है। सामान लाने के लिए खुद घर से निकलें या किसी दूसरे सदस्य को भेजें, कपड़े के थैले को साथी जरूर बनाएं। असल में गली-मोहल्ले में सब्जी-भाजी खरीदने की बात हो या मॉल से शॉपिंग करने की, सिंगल यूज प्लास्टिक का एक ढेर हमारे साथ आता है। हर दिन शॉपिंग में साथ आने वाली प्लास्टिक की थैलियां नालियों को जाम कर गंभीर बीमारियों का कारण बनती हैं। यहां-वहां पड़ी प्लास्टिक थैलियों को खा लेना कितने ही जीव-जंतुओं का गला घोंटता है। बेवजह सामानों में लिपट कर साथ आने वाला प्लास्टिक पार्कों, सड़कों और समुद्र तटों को गंदा करता है। इस मोर्चे पर सजग होना आवश्यक है। महिलाएं प्लास्टिक का सीमित इस्तेमाल कर पर्यावरण के बचाव में अपनी भागीदारी निभा सकती हैं। पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने और पॉलिथिन यूज कम करने के लिए घर से थैला लेकर निकलना बहुत ही सहज पर प्रभावी पहल है। आम-सी बातों पर ध्यान देकर घर के अधिकतर काम-काज संभालने वाली महिलाएं पर्यावरण को पॉलिथीन फ्री बनाने में बड़ा रोल निभा सकती हैं। बाजार जाते समय थैला साथ रखना प्लास्टिक फ्री जीवन के लिए बहुत आम पर खास कदम है।

बच्चों को बनाएं पर्यावरण प्रेमी

स्वयं ही नहीं, अपने बच्चों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाना जरूरी है। बचपन से हम उन्हें अपने पर्यावरण से प्रेम करना सिखाएं, इसकी स्वच्छता का महत्व बताएं। बच्चों को यह भी बताएं कि वे पर्यावरण कैसे संरक्षित कर सकते हैं?

बच्चे और आप

सरस्वती रमेश

आज जिस तरह विश्व में पर्यावरण की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है, उसके प्रति हर किसी का जागरूक होना जरूरी है, ताकि सभी पर्यावरण संरक्षित करने की दिशा में प्रयासरत रहें, अपनी जिम्मेदारी समझें। लेकिन जब हम इस संदर्भ में बच्चों की बात करते हैं तो यही पाते हैं कि आज के अधिकांश बच्चे मोबाइल, कंप्यूटर, टैब, लैपटॉप और इंटरनेट की दुनिया में उलझे रहते हैं, इससे बाहर निकलना ही नहीं चाहते। दूसरे पढ़ाई के प्रेशर और इस तकनीकी युग ने माहौल ऐसा बना दिया है कि हमारे बच्चे पर्यावरण से कटे हुए हैं। जबकि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौती से जिस तरह दुनिया जूझ रही है, बच्चों का भी पर्यावरण को लेकर जागरूक होना बहुत जरूरी है। अगर पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती समस्याओं के प्रति हमारे बच्चे जागरूक नहीं हुए तो वे भविष्य में इस धरती के पर्यावरण को कैसे बचाएंगे? ऐसे में पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को पर्यावरण से प्रेम करना सिखाएं, इसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित करें। यह कैसे संभव है, आप जानें-

पर्यावरण संरक्षण का मतलब बताएं: प्रायः हम अपने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का तात्पर्य सिर्फ पेड़-पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना बताते हैं। जबकि पर्यावरण संरक्षण का अर्थ इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। धरती पर उपस्थित सभी तरह के जीव-जंतु, नदियां, पहाड़, समुद्र, हवा, पानी, धूप, मिट्टी सभी मिलकर हमारे पर्यावरण का निर्माण करते हैं। इसलिए हमें पृथ्वी की हर चीज को संरक्षित करना होगा। इस पृथ्वी को सभी प्राणियों के लिए जीने योग्य बनाए रखना ही पर्यावरण संरक्षण का असल मतलब है। यह बात बच्चों को भी समझानी चाहिए।

प्रकृति के साथ तालमेल करना सिखाएं: सर्वप्रथम तो हम अपने बच्चों को प्रकृति के साथ तालमेल बैठाकर जीना सिखाएं। मतलब ऐसे काम करने से मना करें, जिससे प्रकृति और इसके पर्यावरण को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचता है। सिंगल यूज प्लास्टिक आज पूरी दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है, इसलिए प्लास्टिक पन्नी में फल, सब्जी और राशन न लें। इसके बजाय घर से अपना बैग और कंटेनर लेकर जाएं। आपको ऐसा करता देखकर आपका बच्चा भी पर्यावरण से प्रेम करना सीखेगा। इसी तरह गीला और सूखा कचरा अलग रखने की आदत अपने बच्चों में बचपन से ही डालें। इसके लिए घर में दो डस्टबिन रखें। रिसाइकिल होने वाले कचरे को सड़ने-गलने वाले कचरे के साथ मिलाकर न रखें। किचन वेस्ट से अपने बगीचे में या बालकनी में कंपोस्ट खाद बनाएं। यह बेहद आसान है। इसे बनाने से आपके घर से निकलने वाला गीला कचरा कम होगा और आपके घर में लगे पौधों को मुफ्त में खाद भी मिलेगी। इस काम में बच्चों से भी सहयोग लें ताकि वे शुरू से ही वेस्ट मैनेजमेंट के गुर सीखें।

संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करना बताएं

गर्मियों में लोग एसी का इस्तेमाल खूब करते हैं। अपने बच्चों को एसी का इस्तेमाल कम से कम करने के लिए प्रेरित करें। इसके बजाय यदि कूलर से काम चल सकता है तो उसे चलाने के लिए कहें। बच्चों को समझाएं कि एसी से निकलने वाली हीट से बाहर का वातावरण गर्म होता है, जिससे पक्षी, कीट-पतंगे, जानवरों को सर्वाइव करने में मुश्किल आती है। साथ ही बिजली की ज्यादा खपत होती है। इसी तरह सर्दियों में रूम को गर्म रखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के ज्यादा इस्तेमाल से बिजली की खपत ज्यादा होती है, जबकि हम सब जानते हैं कि बिजली पैदा करने के लिए बहुत सारे संसाधनों की जरूरत पड़ती है। इसी तरह अपने बच्चों को कपड़े, जूते, कागज, बैग आदि चीजों का इस्तेमाल तब तक करने को कहें, जब तक कि वे पूरी तरह अनुपयोगी न हो जाएं। जिससे नए सामान खरीदने की जरूरत कम पड़े और पृथ्वी के संसाधनों को बचाया जा सके।

हमारी सामूहिक जिम्मेदारी: बच्चे देश का भविष्य होते हैं। जब वे किसी बदलाव का हिस्सा बनते हैं तो उसका प्रभाव जल्द दिखाई देता है। और फिर पर्यावरण संरक्षण किसी अकेले व्यक्ति के वश की बात नहीं है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें बच्चों को शामिल करना बहुत जरूरी है। सभी अपनी जिम्मेदारी को समझें और अपने स्तर पर अपने आस-पास को साफ-सुथरा, हरा-भरा रखने की कोशिश करें, तभी हमारा पर्यावरण संरक्षित होगा।

लाइफस्टाइल

रेखा शाह आरबी

उम्र के किसी भी पड़ाव पर आप अपने आपको अकेला महसूस कर सकती हैं, लाइफ बोरिंग लग सकती है। ऐसी नेगेटिव सोच से उबरिए, इसके लिए कुछ नया करिए।

कहीं आपको अपनी लाइफ बोरिंग तो नहीं लग रही है

आजकल पहले के जैसे संयुक्त परिवार नहीं रहे, जिसमें दिन भर हंसी-मजाक, ठहाके गूंजते रहते थे। दिन कब पूरे परिवार के साथ हंसते-हंसते बीत जाता, पता ही नहीं चलता था। ये सब अब बीते जमाने की बातें हो गई हैं। अब एकल परिवार का जमाना है। अधिकांश परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे, यही पूरा परिवार माना जाता है। कुछ वर्षों के बाद बच्चे भी बाहर दूसरे शहरों में पढ़ने या जॉब के लिए चले जाते हैं, तब महिलाएं घर में बिल्कुल अकेली रह जाती हैं। क्योंकि पति तो पहले ही अपने जॉब या बिजनेस के काम के लिए दिन भर घर से बाहर रहते हैं। जो महिलाएं काम-काजी नहीं हैं, घरेलू हैं, उन्हें अकेलेपन का अहसास बहुत ही शिद्दत से होता है। ऐसे में एक बड़ी समस्या रहती है कि अपना टाइम कैसे पास किया जाए? अकेलेपन से कैसे पार पाएं? लाइफ बहुत बोरिंग लगती है। कुछ महिलाएं तो किसी मानसिक बीमारी की शिकार भी हो जाती हैं। इसलिए जरूरी है, जीवन में कुछ ऐसा करते रहना चाहिए कि जिंदगी खूबसूरत लगे।

बाहरी नहीं, आंतरिक देख-भाल की जरूरत: जिंदगी को जिंदादिली से जीने के लिए, अपने व्यक्तित्व को निखारने-संवारने के लिए सिर्फ बाहरी ही नहीं, आंतरिक देखभाल की भी जरूरत होती है। इसके लिए कुछ प्रयास करने पड़ते हैं। अपने भीतर नई ऊर्जा भरने के लिए जरूरी है, हम अपने रूटीन से हटकर कुछ नई एक्टिविटीज से जुड़ें, ताकि जिंदगी बोरिंग न लगे। कहने का यह मतलब है कि जब भी आपको ऐसा लगे कि जीवन एक ही ढर्रे पर चल रहा है, लाइफ बोरिंग हो गई है तो अपने भीतर नई उमंग जगाने के लिए अपनी रुचि के अनुसार अपने जीवन में कुछ बदलाव लाएं। इस दिशा में एक्टिव हों।

किताबों से करें दोस्ती: उम्र कोई भी हो, जब किसी व्यक्ति को उसकी रुचि के अनुसार कोई किताब मिल जाती है तो वह उसमें डूब जाता है। हमारी सबसे अच्छी दोस्त किताबें होती हैं। किताबों का साथ हमेशा ही

हमारे व्यक्तित्व को निखारने में सहायक होता है। किताबें हमारे एकांत की अच्छी साथी बन जाती हैं, बोरियत दूर करती है, व्यक्ति को जीवंत बनाती हैं। साथ ही किताबें एक बौद्धिक संतुष्टि भी देती हैं।

समाज सेवा: खाली समय में समाज सेवा करना, समय का सबसे अच्छा सदुपयोग है। अपने आस-पास किसी समाजसेवी संस्था को अपना सहयोग दीजिए, इससे आपका मन प्रफुल्लित होगा। किसी की निस्वार्थ सहायता करना, मन को एक अलग तरह की अनुभूति देता है, एक सुकून मिलता है। इससे भी एक बहुत अच्छा काम है, छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाना। बच्चों के साथ कब आपका समय क्वालिटी टाइम में बदल जाएगा, आपको पता भी नहीं चलेगा। इससे आपको मानसिक संतुष्टि तो मिलेगी ही, साथ ही छोटे-छोटे बच्चों की मासूमियत, शरारत आपको नई ऊर्जा से भर देगी।

बागवानी कीजिए: यदि आपके घर में जगह है तो आप गार्डनिंग करें। तरह-तरह के फूलों वाले पौधे लगाकर आपको एक अलग ही ऊर्जा और ताजगी मिलेगी। गार्डनिंग करके आप अपने आपको व्यस्त और स्वस्थ रख सकती हैं।

खुद को दें नया लुक: आप अपने आप को नया लुक देकर भी एक खुशी हासिल कर सकती हैं। इसके लिए आप पार्लर की मदद ले सकती हैं। अपना मेकओवर देखकर सिर्फ आपको ही नहीं, आपके चाहने वालों को भी खुशी होगी। यह खुशी आपको ऊर्जावान बनाएगी। इससे आप नया करने को प्रेरित होंगी।

ट्रेंड

सरिता गुप्ता

समर सीजन में बनाएं यूनिक हेयर स्टाइल

गर्मी के मौसम में सही ड्रेसअप सेलेक्ट करने के साथ ही मैचिंग और कंफर्टेबल हेयर स्टाइल चूज करना थोड़ा टफ होता है। ऐसे में आप यहां पर बताए जा रहे कुछ ट्रेंडी हेयर स्टाइल को ट्राई कर सकती हैं।

हाफ हेयर बन स्टाइल: अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल हैं या ऑफिस जाती हैं तो यह हेयर स्टाइल आपके लिए परफेक्ट है। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए पहले बालों को ट्विस्ट देकर हाफ हेयर करके उसे रबड़ बैंड से हाफ बन लुक दे सकती हैं, फिर उस पर फंकी रबड़ बैंड ऊपर से लगा लें।

साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल : समर पार्टी में जाने के लिए आप साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती हैं। इस सीजन के लिए यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। आप इस हेयर स्टाइल को गाउन या शॉर्ट ड्रेस के साथ पेयर अप कर सकती हैं। आप इसके साइड से टेल पर बीड्स भी लगा सकती हैं। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए सबसे पहले साइड से फ्रेंच ब्रेड बनाएं और फिर सभी बालों को फोल्ड करते हुए पिन की मदद से सेट करें। अब फ्रंट में लगी छोटी-छोटी फ्लिक्स निकाल लें। साइड फ्रेंच बन हेयर स्टाइल बनने के बाद बहुत अच्छा लगता है।

रबड़ बैंड ट्विस्ट ब्रेड स्टाइल: आप रबड़ बैंड से एक यूनिक हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इस हेयर स्टाइल को बनाने के लिए आपको काफी सारी रबड़ बैंड्स की जरूरत होगी। सबसे पहले नॉर्मल पोनी बनाएं और फिर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर रबड़ बैंड लगाएं और बालों को बीच से लूज करती जाएं। इससे आप सिंपल ब्रेड से खुद को स्टाइलिश लुक दे सकती हैं। टॉप के साथ स्कर्ट या जींस कैरी करने पर ऐसी हेयर स्टाइल कूल लुक देती है।

हेड बैंड और स्कार्फ: गर्मियों में जब बाल चेहरे पर आते हैं तो बहुत चुभने लगते हैं और इरिटेट भी करते हैं। ऐसे में आप हेड बैंड और स्कार्फ का भी यूज कर सकती हैं। एक ऐसे स्टाइलिश हेड बैंड का यूज करें, जो बालों को चेहरे से दूर रखे और स्टाइलिश लुक दे। इसके अलावा स्कार्फ का यूज बालों को बांधने या सजाने के लिए भी आप कर सकती हैं।

तरह-तरह के बन: आप कई तरह के हेयर बन बनाकर बालों को स्टाइल दे सकती हैं। बन बनाने के भी कई तरीके होते हैं, इनमें टॉप नॉट, मेस्सी बन, हाई बन और लो बन शामिल हैं। यह कैजुअल और फॉर्मल दोनों अवसरों के लिए सही होता है।

(हेयर स्टाइलिस्ट मेघा शर्मा से बातचीत पर आधारित)

मेडिकल सजेशन

डॉ. विनय अग्रवाल
ऑर्थोपेडिक सर्जन-स्पोर्ट्स इंजरी
कैलाश हॉस्पिटल, नोएडा

बढ़ती उम्र में और खासतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस होने का रिस्क बढ़ जाता है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखें। इस बारे में आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशन।

बोंस को बनाएं स्ट्रॉन्ग नहीं होगा ऑस्टियोपोरोसिस

ऑस्टियोपोरोसिस, हड्डियों की एक ऐसी बीमारी है, जो खासतौर से महिलाओं में होती है। इसके कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

रोग के कारण: पीरियड्स बंद होने के बाद यानी मेनोपॉज के बाद महिलाओं में इस बीमारी के होने का रिस्क अधिक बढ़ जाता है। जब हमारे शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम का स्तर कम हो जाता है तो यह रोग हो सकता है। इससे बोंस में फ्रेक्चर होने की आशंका बढ़ जाती है।

बरतें सावधानी: मेनोपॉज यानी पीरियड्स बंद होने के बाद महिलाओं को हेल्थ पर अधिक ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इस दौरान मसल्स और बोंस कमजोर हो जाती हैं और फ्रेक्चर होने का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए इसे लेकर लापरवाही न बरतें। जब पीरियड्स बंद हो जाएं तो कैल्शियम और विटामिन डी का स्तर कम हो जाता है और हार्मोन का प्रवाह भी कम हो जाता है। इसलिए रोज समय निकालकर धूप में कुछ देर जरूर बैठें, जिससे आपके शरीर में जरूरी विटामिन डी बनेगा। थायरॉयड प्रॉब्लम से भी इस रोग के

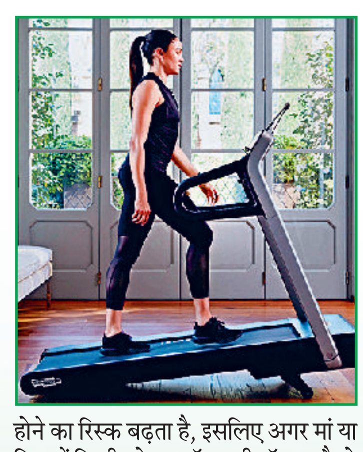

होने का रिस्क बढ़ता है, इसलिए अगर मां या पिता में किसी को थायरॉइड की प्रॉब्लम है तो आपको थायरॉइड होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपने थायरॉइड का नियमित रूप से चेकअप कराती रहें।

नियमित एक्सरसाइज: ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी होता है। इससे मसल्स और मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है। हड्डियों में कैल्शियम और मिनरल का स्तर बढ़ता है। इसलिए रोज एक्सरसाइज करना बोंस हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इससे न केवल ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव होगा, बल्कि अगर यह हो भी गया हो तो उसमें राहत के लिए भी एक्सरसाइज करना फायदेमंद होता है। इसके लिए ट्रेडमिल पर वॉकिंग, जंपिंग, स्किपिंग, लोडिंग और क्रॉस ट्रेनिंग आदि कर सकती हैं।

रहें एक्टिव: महिलाओं को शुरू से ही अपनी लाइफस्टाइल को लेकर बहुत ही सजग रहना चाहिए। उन्हें नियमित रूप से अच्छी डाइट और एक्सरसाइज को अपनाना चाहिए, क्योंकि इनके जरिए ही आप ऑस्टियोपोरोसिस से खुद को दूर रख सकती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव के लिए हमारी लाइफस्टाइल का बड़ा रोल होता है।

वजन को नियंत्रित रखें: महिलाओं को अपने वजन को नियंत्रित रखने के लिए बहुत ध्यान देना चाहिए, क्योंकि जब हमारा वजन नियंत्रित नहीं रहता है तो अनेक तरह की बीमारियां हो सकती हैं।

लें हेल्दी डाइट

हेल्दी बोंस के लिए रेग्युलर बैलेंस डाइट लेना बेहद जरूरी होता है। आपकी डाइट में ज्वार, बाजरा, कोदो, गेंहू और रागी जरूर होना चाहिए, क्योंकि यह हमारे बोंस के लिए बहुत ही अच्छा होता है। सब्जियों में खासतौर से सीताफल खाना फायदेमंद है। ड्राय फ्रूट्स में पिस्ता, बादाम जरूर खाएं क्योंकि इनमें कैल्शियम काफी मात्रा में रहता है। इसके अलावा दूध पीना भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। जहां तक हो सके फ्राइड फूड्स से परहेज करना चाहिए। आलू में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है। इसलिए हड्डियों की बनावट और मजबूती देने में इसका रोल अधिक नहीं होता है।

प्रस्तुतिः संध्या रानी

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। चेयरमैन का स्वागत करते निदेशक मंडल के सदस्य।

मुकेश सर्वसम्मति से बने पैक्स मूसेपुर के चेयरमैन

रेवाड़ी। सोमवार को दी मूसेपुर प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लिमिटेड का चुनाव संपन्न हुआ, जिसमें मुकेश कुमार उर्फ हन्नी तनेजा पूर्व सरपंच परखोतमपुर को सर्वसम्मति से चेयरमैन चुना गया। उपप्रधान नवल सिंह मूसेपुर को बनाया गया है।

घर में घुसकर मारपीट व धमकी, चार पर केस दर्ज

कुंड। थाना खोल पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना का वीडियो देखने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है, जिसकी जांच की जा रही है।

पुलिस शिकायत में बोहका निवासी नरेंद्र ने बताया कि गत 1 जून को वह घर पर परिवार के साथ मौजूद था। इसी दौरान अनिल, राहुल, धर्मबीर व कौशल्या उसके घर पर कुल्हाड़ी व फरसी लेकर आ गए। इन लोगों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया।

नांगल मूंदी के पास रेलवे लाइन के करीब खड़े पेड़ काटने का मामला

वन विभाग का रेलवे पर एक्शन, पेड़ काटने का काम रुकवाया, चालान प्रक्रिया शुरू

पेड़ काटने का कार्य रुकवाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को मशक्कत करनी पड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। पेड़ कटाई के लिए हाइड्रा मशीन के साथ खड़े कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नांगल मूंदी के पास बिना अनुमति काटे जा रहे पेड़ों का मामला उजागर होने के बाद सोमवार को वन विभाग के अधिकारी हरकत में आ गए। अधिकारियों ने मौके पर जाकर न सिर्फ पेड़ों का कटाई का कार्य रुकवा दिया, बल्कि रेल विभाग को काटे गए पेड़ों का चालान भेजने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी। पेड़ काटने का कार्य रुकवाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

बरसात का सीजन आने से पहले रेल विभाग ने सादलपुर रेलवे लाइन के पास खड़े पेड़ों को काटने के लिए वन विभाग के पास अनुमति के लिए आवेदन किया था। वन विभाग की ओर से अनुमति मिले बिना ही रेल विभाग की ओर से पेड़ों की कटाई का कार्य शुरू कर दिया गया। इस मामले को 'हरिभूमि' ने सोमवार को ही प्रमुखता से उठाया था।

इसके बाद जिला वन अधिकारी दीपक प्रभाकर पाटिल ने फोरेस्ट रेंज ऑफिसर जितेंद्र कुमार को कार्रवाई के लिए मौके पर भेज दिया। रेल विभाग की ओर से वहां तीन दिन में दो दर्जन से ज्यादा पेड़ जमीन से दस फीट की ऊंचाई से काटे हैं। पेड़ कटाई का कार्य सोमवार को भी चल रहा था। टीम ने मौके पर जाकर रेल विभाग के कर्मचारियों को बिना अनुमति पेड़ काटने से मना किया। शुरू में तो रेल कर्मचारी उनकी बात मानने के लिए तैयार नहीं हुए, परंतु बाद में उन्होंने कार्य रोक दिया।

वसूला जाएगा जुर्माना

वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर काटे गए पेड़ों की वीडियोग्राफी कराई है। पेड़ों की गिनती करने के बाद रेल विभाग पर जुर्माना तय किया जाएगा। इसके बाद वसूली के लिए सेक्शन इंजीनियर को चालान भेजा जाएगा। फिलहाल रेल विभाग की ओर से पेड़ों की कटाई का कार्य रोक दिया गया है।

पेड़ों की संख्या के हिसाब से होगा चालान

रेल विभाग के कर्मचारियों ने बिना अनुमति कई पेड़ काटे हैं। पेड़ काटने का कार्य सोमवार को भी किया जा रहा था, जिसे मौके पर जाकर रुकवा दिया गया है। कर्मचारी काटे गए पेड़ों की गिनती कर रहे हैं। संख्या के आधार पर ही चालान बनाकर रेल विभाग को भेजा जाएगा।

-जितेंद्र कुमार, फोरेस्ट रेंज ऑफिसर।

रेल विभाग की ओर से किया गया था वन विभाग को आवेदन

वन विभाग से नहीं मिली अनुमति, रेल विभाग ने चलाई पेड़ों पर कुल्हाड़ी, जांच के बाद होगा एक्शन

यूजी-पीजी कोर्सों का ऑनलाइन दाखिला बुधवार से

हरिभूमि न्यूज. ▶▶ कोसली

कोसली। निदेशक डा. यशपाल शर्मा।

- जनरल की फीस 500 और एससी बीसी की 125 रुपये

कृष्ण नगर गांव स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर में यूजी और पीजी कोर्सों की ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया 4 जून से आरंभ होकर 23 जून, 2025 तक चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी इच्छुक छात्राओं से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि से आनलाइन आवेदन पत्र भरना शुरू करें।

निदेशक डा. यशपाल शर्मा ने कहा कि रीजनल सेंटर के यूजी और पीजी कोर्सों में दाखिले के लिए छात्राओं को सबसे पहले सभी जरूरी दस्तावेज के साथ आनलाइन रजिस्ट्रेशन करना जरूरी है जिसके लिए जनरल की फीस 500 रुपए और एससी बीसी की 125 रुपए है। बिना आनलाइन रजिस्ट्रेशन के किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं हो पायेगा। निदेशक ने बताया कि सरकार की तरफ एससी बीसी छात्राओं के लिए स्कालरशिप का प्रावधान है। जिसके के लिए छात्राओं के पास अपना नवीनतम आय सर्टिफिकेट होना जरूरी है। छात्राएं अपने सभी जरूरी दस्तावेज बनवा ले। अधिक जानकारी के लिए रीजनल सेंटर में सम्पर्क करें। उनके लिए हेल्प डेस्क सुविधा उपलब्ध है रीजनल सेंटर में सभी विषयों का अनुभवी स्टाफ है और छात्राओं की सुरक्षा की प्राथमिकता का विशेष ध्यान रखते हुए छात्राओं को लाने व ले जाने के लिए रीजनल सेंटर की स्वयं की दो बसों की सुविधा हैं।इसके अतिरिक्त सरकारी और प्राइवेट यातायात के साधन भी उपलब्ध हैं। पढ़ाई के लिए साफ और प्राकृतिक वातावरण है। निदेशक ने बताया कि आनलाइन आवेदन पत्र 4 जून से भरे जा सकेंगे। नई शिक्षा नीति के अनुसार यूजी कोर्स -बीए (आनर्स) मल्टीडिसीप्लिनरी में 100 सीटें, बीएससी इन फिजिकल साइंस (आनर्स) नान मेडिकल में 60 सीटें, बीकाम आनर्स में 60 सीटें है।

समय पर आवेदन

शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दाखिला प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। छात्राओं को सलाह दी जाती है कि वे समय पर आनलाइन आवेदन पत्र के साथ अपने सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें। यदि कोई समस्या आती है या अधिक जानकारी चाहिए तो रीजनल सेंटर में संपर्क कर सकते हैं। डा. अनिल कुमार ने बताया कि रीजनल सेंटर में छात्राओं को सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ इंटरेक्टिव बोर्ड क्लास रूम की सुविधा उपलब्ध हैं।

समस्याओं के समाधान के निर्देश: सुरेंद्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। शिविर में लोगों की समस्याओं को सुनते हुए एसडीएम सुरेन्द्र सिंह।

सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने जनसमस्याओं को सुना और उनका मौके पर समाधान किया गया। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में बिजली, पानी आदि से संबंधित समस्याएं आई जिनका एसडीएम सुरेन्द्र सिंह ने मौके पर ही अधिकारियों को निदान करने के निर्देश दिए। नालों की सफाई के संदर्भ में एसडीएम ने कहा कि शहर में नालों की सफाई तथा सीवरेज के टूटे हुए ढक्कनों को तुरंत प्रभाव से लगाया जाए।

एसडीएम ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार के दिशा निर्देशानुसार जिला में सोमवार व बृहस्पतिवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला स्तरीय समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित सभागार में तथा उपमंडल स्तर के समाधान शिविर बावल व कोसली एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं।

शिकायतों की कर रहे मॉनिटरिंग

एसडीएम ने कहा कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है। जिन शिकायतों का त्वरित समाधान संभव होता है उनका ऑन द स्पॉट ही समाधान करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान की जाती है। शिविर में आई शिकायतों को एसडीएम रेवाड़ी सुरेन्द्र सिंह के साथ डीएसपी जोगेन्द्र शर्मा, डीडीपीओ नरेन्द्र सारवान, डीआरओ प्रदीप देशवाल सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों की मौजूदगी में शिकायतों का निपटारा किया गया।

योग दिवस पंजीकरण के लिए शुरू हुई प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

- नागरिक 9501131800 पर कॉल करके ले सकते हैं जानकारी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयुष विभाग की ओर से विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है। नागरिक 9501131800 पर कॉल करके भी रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

डीसी अभिषेक मीणा ने सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग दिवस के आयोजन की व्यापक तैयारी करने और अधिक से अधिक लोगों को ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। खास तौर पर शिक्षण संस्थानों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही जन-जागरूकता अभियान भी चलाने को कहा गया है ताकि आमजन योग दिवस पर आयोजित हो रही गतिविधियों में शामिल होते हुए योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

सरपंच के साथ मारपीट के आरोप में मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

गुडियानी गांव के सरपंच ने गांव के ही एक व्यक्ति पर पंचायत की भूमि पर कब्जा करने तथा कब्जा हटवाने मौके पर पहुंचे सरपंच को जाति सूचक व अभद्र गालियां देने व मारपीट के आरोप में कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। सरपंच नरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि ग्राम पंचायत के पास गुड़यानी से गाजी गोपालपुर के रास्ते पर 28 कनाल 10 मरला कृषि योग्य जमीन है। इसमें से कुछ कनाल स्वास्थ्य विभाग के नाम है। जनवरी 2025 में महाबीर पुत्र उमराव ने पंचायती जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। उस समय पंचायत ने बीडीपीओ के माध्यम से महावीर के खिलाफ थाना कोसली में शिकायत दर्ज करवायी थी। शिकायत के बाद पुलिस व प्रशासन ने उसका कब्जा हटवा दिया था। अब महावीर ने फिर से पंचायती भूमि पर कब्जा करने की नीयत से पंचायती जमीन से अपने घर तक जमीन के बीचों-बीच रोड़े पत्थर डाल दिए और बाकी जमीन पर अपना सामान ट्रैक्टर वगैरा, कुरड़ी, कड़वी व तुड़ा का ढेर वगैरा डालकर कब्जा करने की कोशिश की। रविवार को ग्राम पंचायत द्वारा बहुमत से पारित प्रस्ताव के बाद वह स्वयं, ओमप्रकाश पंच, धर्मेन्द्र यादव, बाबूलाल पंच प्रतिनिधि व जिला पार्षद जीवन हितेषी व अन्य के साथ मौके पर पहुंचे।

यदुवंशी स्कूल के 15 छात्रों ने जेईई एडवांस में रच दिया इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी के छात्रों ने जेईई एडवांस परीक्षा-2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में स्कूल के कई छात्रों ने उच्च रैंक हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। पूरे भारत में अपनी सफलता का परचम लहराते हुए विद्यालय के छात्र मनीष पुत्र रामकिशन ने अपनी कैटेगरी में 300 रैंक हासिल की। सफलता प्राप्त विद्यार्थियों में भावेश पुत्र ओमप्रकाश 1103, दिव्य यादव पुत्र सुरेंद्र यादव 1172, योगेंद्र पुत्र संदीप कुमार 2859, दिया पुत्री देवेंद्र कुमार 5214, अंजलि पुत्री अरविंद 7807, अनुज पुत्र राजेश कुमार 8342, श्वेत पुत्र कश्मीर 9374, अनुज पुत्र अनुप 10274, अमन पुत्र राजेश कुमार 12835 के नाम विशेष रूप से शामिल रहे। विद्यार्थियों ने अपनी इस सफलता का श्रेय विद्यालय के उचित मार्गदर्शन, अध्यापकों की मेहनत व अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में यदुवंशी की एक अनूठी शैक्षणिक पहल है। विद्यार्थी इंजीनियर बनकर एक सुदृढ़ समाज की स्थापना करेंगे तथा देश सेवा करते हुए पूरे राष्ट्र को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रगण्य बनाएंगे। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जेईई एडवांस जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना न केवल आपकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि आपके धैर्य, समर्पण और अनुशासन की भी मिसाल है। यह सफलता सिर्फ एक शुरूआत है।

बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व सामान चोरी

खोरी पाली में चोर एक बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी व अन्य सामान चोरी कर ले गए। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया।

पुलिस शिकायत में पंकज यादव ने बताया कि वह रेवाड़ी की अंसल सोसायटी में रह रहा है। उसके गांव स्थित मकान में हिमाचल के हमीरपुर का रहने वाला रंजिश राणा रह रहा है। रंजिश राणा 10 दिन पहले अपने घर चला गया था। जब वह मकान पर लौटा तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला। चोरों ने एक बॉक्स का ताला भी तोड़ा हुआ था। चोर बॉक्स से 3 हजार रुपये, चांदी की दो जोड़ी पायल व चार गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने शुरू किया साथी अभियान

- इच्छुक नागरिक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 पर कर सकते हैं कॉल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अभियान के बारे में जानकारी देते हुए अमित वर्मा।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार साथी अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद और उपेक्षित निराश्रित बच्चों तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो बच्चों की पहचान, आधार कार्ड पंजीकरण, प्रशिक्षण और अन्य सहायता सेवाओं के समन्वय का कार्य करेगी। उन्होंने बताया कि साथी अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के कमजोर और उपेक्षित निराश्रित बच्चों की कानूनी पहचान स्थापित करना है, ताकि वे अपने मौलिक अधिकारों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके अंतर्गत बच्चों के आधार कार्ड बनाए जाएंगे, उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा उन्हें विभिन्न सरकारी सेवाओं से जोड़ा जाएगा। वर्मा ने कहा कि साथी अभियान को सफल बनाने के लिए सभी प्रशासनिक इकाइयों, संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं जागरूक नागरिकों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है, ताकि कोई भी बच्चा उपेक्षित न रह जाए और वह समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सहायता प्राप्त करने के इच्छुक नागरिक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 पर कॉल कर सकते हैं।

आईजीयू कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया

सुरक्षा, साफ-सफाई एवं प्रबंधन व्यवस्था, निर्माणाधीन इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम का भी दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इसके अंतर्गत उन्होंने विश्वविद्यालय की सुरक्षा, साफ-सफाई एवं प्रबंधन व्यवस्था, निर्माणाधीन इंडोर एवं आउटडोर स्टेडियम, आवासीय परिसर एवं अटल बिहारी वाजपेई पुस्तकालय का दौरा किया। अटल पुस्तकालय भवन का विस्तार कार्य अभी निर्माणाधीन है जिसमें हो रही देरी पर कुलपति ने चिंता व्यक्त की और इसे शीघ्रता से पूरा करने के लिए निर्देश दिए।

कुलपति ने पुस्तकालय में विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में अधिकारियों से जाना और उन्हें निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन विभिन्न स्थलों का निरीक्षण करते हुए कहा कि सभी कार्यों को जल्द से जल्द एवं पूर्ण निष्ठा के साथ पूरा करवाया जाए ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो।

उनके इस निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह, विश्वविद्यालय की इंजीनियरिंग शाखा के अधिकारी एसके यादव, सुरेंद्र सिंह, अनिल नैन, सामान्य शाखा से उपकुलसचिव डॉ. नवीन पिपलानी एवं सहायक कुलसचिव डॉ. अंशु साथ रहे।

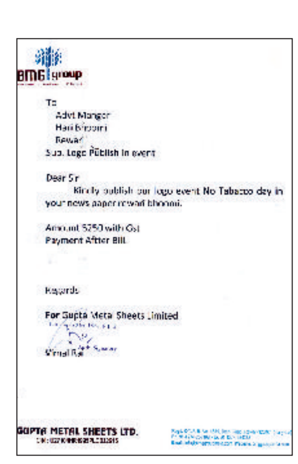

जेईई एडवांस्ड में आरपीएस के ईशान ने हासिल की 59वीं आल इंडिया कैटेगरी रैंक

- अभिभावकों के अटूट विश्वास, शिक्षकों व बच्चों की कड़ी मेहनत के बल पर शिक्षा के क्षेत्र में आरपीएस संस्था बनी सिरमोर : इंजी मनीष राव

महेंद्रगढ़। विजय चिहन बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

देश की सबसे बड़ी आईआईटी-जेईई एडवांस्ड परीक्षा परिणाम में आरपीएस संस्था के ईशान आफरिया ने आल इंडिया में 59वीं व दित्या गर्ग ने 70वीं कैटेगरी रैंक एवं हर्षि ने 221वीं आल इंडिया जनरल रैंक प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जेईई एडवांस्ड परीक्षा में आरपीएस के 95 से अधिक विद्यार्थियों ने बेहतरीन रैंक के साथ क्वालीफाइ किया हैं। बच्चों के कठोर परिश्रम, विद्यालय प्रबंधन के उचित मार्ग दर्शन और स्टीक योजना से ही यह संभव हो पाया है। बच्चों की इस सफलता पर आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डीप्टी सीईओ कुनाल राव सहित समस्त आरपीएस स्टाफ ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। सीईओ इंजि. मनीष राव ने बताया कि सोमवार को घोषित आईआईटी-जेईई एडवांस्ड के परीक्षा परिणाम में अपनी कैटगरी में ईशान ने आल इंडिया में 59वीं व दित्या गर्ग ने 70वीं कैटेगरी रैंक व हर्षि ने 221वीं आल इंडिया जनरल रैंक के साथ-साथ अनुज ने 256वीं रैंक, शुभम वर्मा ने 544वीं रैंक, प्रणव ने 573वीं रैंक, छवि ने 574वीं रैंक, यशिका 590वीं रैंक, ललित ने 591वीं रैंक, विवान राव ने 667वीं रैंक, सुमित पहल ने 937वीं रैंक, पीयूष यादव ने 1054वीं रैंक, रक्षित कुमार ने 1101वीं रैंक, कृष ने 1111वीं रैंक, कृष ने 1203वीं रैंक, कार्तिक ने 1498वीं रैंक, मनयु यादव ने 1537वीं रैंक, वंश यादव ने 1541वीं रैंक, कृष ने 1764वीं रैंक, सुजल ने 1850वीं रैंक, दिपांशु ने 2048वीं रैंक, श्वेत ने 2112वीं रैंक, श्रुति ने 2137वीं रैंक, चिराग ने 2557वीं रैंक, हर्षिता चौहान ने 4096वीं रैंक, मानव चौधरी ने 2705वीं रैंक, यशवी सिंगला ने 2841वीं रैंक, तन्नु ने 3597वीं रैंक, जतिन ने 3934वीं रैंक, प्रियांशु ने 4233वीं रैंक पाई है।

खबर संक्षेप

ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज

खोरी। थाना खोल पुलिस ने कुंड के पास जैसलमेर नेशनल हाइवे पर गलत लेन में ओवरस्पीड वाहन चलाने के आरोप में चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार चेकिंग के दौरान एक ट्रॉला नारनौल की ओर तेज गति से आ रहा था। वह गलत लेन में चल रहा था, जिस कारण हादसे की आशंका बनी हुई थी। ट्रॉला रुकवाकर चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम यूपी के घडनपुर निवासी देवेंद्र बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही ट्रॉला भी कुंड चौकी में इंपाउंड कर दिया।

युवक की हत्या का आरोपी भेजा जेल

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए युवक को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। भाड़ावास निवासी रोहित की हत्या के आरोप में पुलिस ने जैतड़ावास निवासी नागर को गिरफ्तार किया था। नागर ने चाकू से गोदकर रोहित की हत्या की दी थी। रिमांड के दौरान हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद करने के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने के बाद दुष्कर्म का शिकार बनाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर यूपी के गुठारा मासूमपुर निवासी ऋषि के खिलाफ गत वर्ष 19 अप्रैल को अपहरण व पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। इसके बाद आरोपी फरार होने में कामयाब हो गया था। पुलिस ने उसे लगभग एक साल बाद गिरफ्तार कर लिया।

बाइक चोरी के मामले में तीसरा आरोपी काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने वर्ष 2019 में चोरी हुई बाइक के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। 21 जनवरी 2019 को सरकुलर रोड से विकास नगर निवासी भगवान सिंह की बाइक चोरी हो गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। बाद में पुलिस ने दो आरोपियों रामपुरी निवासी धर्मपाल व गांव ढोहकी निवासी गौरव को गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में भवाड़ी निवासी मनीष उर्फ टिंकू को गिरफ्तार किया गया है।

प्री-मानसून की हल्की बरसात से ही शहर में कीचड़ और जलभराव

पांच एमएम बारिश से महका 'इंदौर' सफाई की असल तस्वीर सामने

सड़क के गड्ढों में भरे पानी से गुजरते वाहन।

- सड़ने लगे शहर में कूड़े के ढेर, मानसून के सीजन में बद से बदतर हो सकते हैं शहर के हालात
- शहर के अधिकांश शौचालयों के पास से गुजरना भी लोगों के लिए मुश्किल बना हुआ है।

रेवाड़ी। शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़क किनारे एकत्रित बरसाती पानी। फोटो : हरिभूमि

गढ़ी बालेनी रोड पर सड़क किनारे पड़े कूड़े के ढेर।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

एक ओर सफाई अभियान के नाम पर शहर को 'इंदौर' बनाने का जमकर ढिंढोरा पीटा जा रहा है, तो दूसरी ओर प्री-मानसून हल्की बरसात ने शहर की सफाई व्यवस्था को आइना दिखा दिया है। महज 5 एमएम तक हुई बरसात के बाद कई स्थानों पर सड़कों के गड्डों में भारी भरा हुआ है, तो शहर में दर्जनों स्थानों पर कूड़े के ढेरों से दुर्गंध उठने लगी है। शहर के अधिकांश शौचालयों के पास से गुजरना भी लोगों के लिए मुश्किल बना हुआ है।

प्री-मानूसन बरसात के बाद शहर के कई इलाकों में हल्के जलभराव की स्थिति बनी हुई है। सीएम नायब सिंह सैनी के सड़कों के गड्ढे भरने के आदेशों का नगर परिषद अधिकारियों पर अभी तक कोई असर देखने को नहीं मिला है। प्रमुख स्थानों पर सड़कों में मोटे गड्ढे बने हुए हैं, जिनमें मामूली बरसात के पानी एकत्रित होकर वाहन चालकों के लिए आफत बन जाता है। शहर के प्रमुख बाजार और अंदरूनी इलाकों में कूड़े के ढेर पड़े हुए हैं, जिनमें मुंह मारते पशु आसानी से देखे जा सकते हैं। शहर में सफाई अभियान के नाम पर बड़ी मुहिम चलाने का जमकर प्रचार किया जा रहा है, जबकि हकीकत से नागरिकों को रोजाना रूबरू होना पड़ रहा है। रविवार देर सायं हुई हल्की बरसात ने शहर में सफाई की असल तस्वीर सामने ला दी है। शहर की गलियों से लेकर बाहरी एरिया की सड़कों के किनारे पॉलीथिन व कचरा पड़ा नजर आता है। सड़कों के गड्ढों में एकत्रित बरसाती पानी वाहनों के टायर जाते ही लोगों पर कीचड़ उछालने का काम कर रहा है।

पॉश कॉलोनियों में भी हालात बदतर

शहर के मॉडल टाउन व सेक्टरों में भी मानसून से पहले टूटी सड़कों को ठीक नहीं किया गया है। सेक्टर-3 में टूटी सड़कों पर पानी एकत्रित हो रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ब्रास मार्केट में सड़ निर्माण का कार्य चल रहा है, परंतु वहां भी कूड़े की भरमार है। अनाजमंडी की दीवारों के आसपास कूडे के ढेर साफ दिखाई देते हैं। शहर के भीतरी हिस्सों की गलियों में नालियां तक अवरुद्ध पड़ी हैं, जिनका पानी सड़कों पर फैल रहा है।

पशुओं की समस्या पर नहीं ध्यान

शहर से बेसहारा पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में भेजने का ठेका एक कंपनी को दिया हुआ है। पशुओं को पकड़ने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके बावजूद शहर में बड़ी संख्या में गोवंश सफाई व्यवस्था को 'चार चांद' रहा है। आवारा कुत्तों का शहर में जमावड़ा लगा रहता है। पशु और कुत्ते सड़कों पर गंदगी फैला रहे हैं। नाईवाली चौक फ्लाईओवर पर पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है। इसके बावजूद शहर को 'इंदौर' बनाने के बड़े दावे किए जा रहे हैं।

शौचालयों की हालत हुई दयनीय : शहर की सफाई व्यवस्था की तस्वीर सार्वजनिक शौचालयों को देखकर सामने आ जाती है। प्रमुख स्थानों नाईवाली चौक, बावल चौक, कानोड़ गेट के पास व अन्य स्थानों पर बने शौचालयों में शौचादि के लिए प्रवेश करना तो दूर, उनके पास से निकलना भी मुश्किल बना रहता है। पानी तक उपलब्ध नहीं होने के कारण इन शौचालयों की दुर्गंध दूर-दूर तक शहर की सफाई व्यवस्था को आइना दिखाने का काम कर रही है। सफाई अभियान के नाम पर 'बड़ा खेल' चलने की चर्चा है, जिसकी असल तस्वीर भी जल्द सामने आ सकती है।

रेवाड़ी। सड़क किनारे पड़े कूड़े में चारे की तलाश कर रही गोमाता।

साइबर ठगी मामले का आरोपी छह साल बाद काबू

एक आरोपी सतीश को पहले गिरफ्तार किया गया था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

थाना धारूहेड़ा पुलिस ने पॉलिसी निकलवाने के नाम पर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में एक आरोपी को 6 साल बाद गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

खटावली निवासी सूबेसिंह ने 20 जून 2019 को पुलिस शिकायत में बताया था कि उसके पास जनवरी 2019 में एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे बताया कि पॉलिसी निकलवाने के उसे एनओसी कटवाने के लिए 18 हजार रुपये जमा कराने होंगे। उसने पैसे जमा कराने से मना कर दिया, तो उसके पास बार-बार कॉल आने लगीं। कॉल करने वाले के झांसे में आकर उसने 18 हजार रुपये उसके बताए गए खाता नंबरों पर जमा करा दिए। इसके बाद उससे 40 हजार रुपये और जमा कराए गए। वह लगातार फोन करने वाले के झांसे आकर पैसे ट्रांसफर करता रहा। लगभग 8 लाख रुपये जमा कराने के बाद उससे 6.10 लाख रुपये और जमा कराने को कहा, तो उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में एक आरोपी सतीश को पहले गिरफ्तार किया गया था। अब पुलिस ने दिल्ली के ईस्ट गोकलपुर निवासी जावेद सलमानी को गिरफ्तार किया है। इन दोनों के खातों में सूबेसिंह की ट्रांसफर की गई रकम गई थी। खाता सीज करने के बाद जावेद के 50 हजार रुपये बैंक खाते में बच गए थे। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां उसे जेल भेजने के आदेश जारी हुए।

रेवाड़ी। गिरफ्तार किया गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।

समर कैंप में विद्यार्थियों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

खास बातें
- कैंप के पहले दिन की गतिविधियों में विभिन्न भाषाओं में ग्रीटिंग अल्फाबेट्स तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे
- फन गेम्स थी लेग रेस, नींबू चम्मच रेस, मटकी रेस तथा रस्साकसी में चारों सदन के बीच में बेहद रोचक मुकाबले हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ डहीना

सीहा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के हिमालय सदन के तत्वावधान में आज भारतीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ फन गेम्स के साथ हुआ तथा ग्रीष्मावकाश से पहले अंतिम कार्य दिवस को फन डे के रूप में मनाया गया। कैंप के पहले दिन की गतिविधियों में विभिन्न भाषाओं में ग्रीटिंग, अल्फाबेट्स तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहे। प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया की अध्यक्षता में आयोजित इस कैंप के उद्घाटन सत्र पर स्कूल प्रबंधन समिति के पूर्व प्रधान नरेश कुमार तथा वर्तमान प्रधान नरबीर विशिष्ट अतिथि रहे।

स्टाफ सचिव यशपाल आर्य के संयोजन तथा हिंदी अध्यापक शक्ति सिंह के संचालन में आयोजित इस कैंप में अध्यापिका मंजू शर्मा के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

फन गेम्स थ्री लेग रेस, नींबू चम्मच रेस, मटकी रेस तथा रस्साकसी में चारों सदन के बीच में बेहद रोचक मुकाबले हुए। वरिष्ठ प्राध्यापक सतपाल सिंह की देखरेख में विद्यालय में छबील लगाई गई। विद्यालय के महिला स्टाफ के संयोजन में बालिका मंच के आयोजन के साथ फन डे का समापन हुआ। उल्लेखनीय है की नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भाषाई नवाचार पर केंद्रित भारतीय भाषा साप्ताहिक समर कैंप में प्रतिदिन नवाचारी रोचक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

डहीना। सीहा स्कूल में भारतीय भाषा समर कैंप के में शामिल बच्चे व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

मारपीट के आरोप में पति के खिलाफ केस दर्ज

रेवाड़ी। डालावास में महिला के साथ मारपीट करने के आरोप में रामपुरा पुलिस ने उसके पति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में रिंकू देवी ने बताया कि उसकी शादी लगभग 19 साल पहले ईश्वर के साथ हुई थी। उसके दो बच्चियां हैं। उसने आरोप लगाया कि उसका पति ईश्वर नशे का आदि है। परिवार खेती-बाड़ी से ही चल रहा है। उसका पति उसके साथ लगातार मारपीट करता रहा है। उसने पहले भी पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी, परंतु सामाजिक आधार पर उसने समझौता कर लिया था। उसने आरोप लगाया कि पति ईश्वर ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसका हाथ तोड़ दिया। उसने सामान्य अस्पताल से उपचार कराते हुए एमएलआर कटवाई है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

मोबाइल व नकदी छीनने के आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया
- कब्जे से छीना गया फोन और नकदी बरामद कर ली

सरकुलर रोड पर 31 मई को पैदल चल रहे व्यक्ति का मोबाइल फोन व नकदी फोन छीनने के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

गोकलगढ़ में किराए के मकान में रह रहे खासापुरा मोहल्ला निवासी ललित शर्मा ने सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि था कि वह सरकुलर रोड पर गर्ल्स स्कूल के सामने अपनी पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने के लिए आया था। किसी कारण से अल्ट्रासाउंड नहीं होने के कारण उसने अपनी पत्नी ऑटो में बैठाकर घर भेज दिया। इसके बाद वह किसी काम से नया बाजार जा रहा था।

नशामुक्ति केंद्र के पास बाइक सवार दो युवकों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया। उसने फोन छीनने का विरोध किया तो दोनों उसकी जेब से 1700 रुपये निकालने के बाद उसे धक्का देकर भाग गए। उसने बाइक के नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराए थे। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच करते हुए भूडला निवासी भावेश और लाधूवास निवासी रविश उर्फ उब्बा को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से छीना गया फोन और नकदी बरामद कर ली गई है।

रेवाड़ी। नकदी व मोबाइल फोन छीनने के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर कंपनी कर्मचारी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ डहीना

कुंड रोड पर रविवार की रात निमोठ के पास किसी वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वह बावल की एक कंपनी में नौकरी करता था। थाना खोल पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

लगभग 35 वर्षीय रामधन उर्फ मोंटा रात को बाइक लेकर मंदोला की जा रहा था। गांव से कुछ दूर पहुंचने पर किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उसके शरीर के ऊपर से निकल गया। सूचना मिलने के बाद थाना खोल पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया। मृतक का शव बाइक से काफी दूरी पर पड़ा हुआ था। सोमवार को पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। थाना खोल पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं तथा मृतक के परिजनों को त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

परिवार का अकेला सहारा था रामधन

रामधन के पिता की काफी समय पहले मौत हो गई थी। उसके परिवार में पत्नी और दिव्यांग मां है। रामधन ही परिवार का अकेला सहारा था। एक बावल की एक कंपनी में नौकरी करता था, जिससे परिवार का गुजारा चल रहा था। उसकी मौत से परिवार को गहरा सदमा लगा है। इकलौते बेटे की मौत का समाचार सुनते ही गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

ताले तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

डहीना। जैनाबाद में चोर एक बंद मकान के ताले तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गए। मकान मालिक ने चोरी का संदेह एक महिला टीचर पर जताते हुए उससे पूछताछ करने की मांग की है। पुलिस शिकायत में प्रदीप कुमार ने बताया कि उसके पिता सीआईएसएफ में तैनात हैं। उसकी मां बीमार चल रही है। उसकी मां दिल्ली के अस्ताल में दाखिल है, जिस कारण वह अपनी मां को संभाल रहा था। जब वह दिल्ली से अपने घर आया तो मकान के सभी ताले टूटे हुए थे। सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर अलमारी से जेवरात, सूटकेश से 85 हजार रुपये व दस्तावेजों का एक बैग चोरी कर ले गए। उसने संदेह जताया है कि दिल्ली टीचर की नौकरी करने वाली एक महिला ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। उसने पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर मुहैया कराते हुए बीते वीरवार की रात उसकी लोकेश ट्रेस कराने की मांग की है।

कार्रवाई दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर आरटीए टीम के साथ पकड़े डंपर

ओवरलोड डंपरों पर चला सीएम फ्लाइंग का चाबुक एक ही दिन में 97 डंपर पकड़कर वसूले 70 लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर सोमवार को सीएम फ्लाइंग ने आरटीए स्टाफ व पुलिस के साथ मिलकर ओवरलोड डंपरों पर बड़ा एक्शन लिया। फ्लाइंग टीम ने एक ही दिन में 97 ओवरलोड डंपर पकड़कर उनसे लगभग 70 लाख रुपये जुर्माना वसूला। सीएम फ्लाइंग की इस कार्रवाई से नेशनल हाइवे से डंपर गायब हो गए।

इस नेशनल हाइवे से बड़ी संख्या में ओवरलोड डंपर भवन निर्माण सामग्री राजस्थान से लेकर गुरूग्राम, दिल्ली व फरीदाबाद की ओर निकलते हैं। आरटीए टीम के चेकिंग पर निकलने से पहले डंपर चालकों तक सूचना पहुंच जाती है, जिस कारण इन डंपरों को राजस्थान की सीमा में खेड़ा बॉर्डर के पास ही रोक दिया जाता है। राजस्थान की सीमा में आटीए टीम को ऐसे डंपरों के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार नहीं है।

सोमवार को सीएम फ्लाइंग ने गोपनीय तरीके से आरटीए टीम व पुलिस को साथ लेकर अचानक जयसिंहपुर खेड़ा बॉर्डर से कसोला चौक तक चेकिंग शुरू की। इस कार्रवाई की भनक नहीं लगने के कारण एक के बाद एक 97 डंपर सीएम फ्लाइंग के लपेटे में आ गए। इन डंपरों का कसोला चौक के पास एक कांटे पर वजन कराया गया, जिसके आधार पर आरटीए टीम ने डंपरों पर जुर्माना किया।

रेवाड़ी। पकड़े गए डंपरों के साथ सीएम फ्लाइंग और आरटीए टीम। फोटो :हरिभूमि

सरकार को मिला लाखों रुपये का राजस्व

सीएम फ्लाइंग की कार्रवाई के दौरान 97 डंपरों पर 69.89 लाख रुपये जुर्माना उनके वजन के हिसाब से किया गया। जिन 13 डंपरों की जुर्माना राशि का भुगतान नहीं किया गया, उन्हें आरटीए ने इंपाउंड कर दिया। काफी समय बाद सीएम फ्लाइंग की ओर से ओवरलोड डंपरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है।

एक्शन के बाद हाइवे से गायब हुए डंपर

सीएम फ्लाइंग की ओर से नेशनल हाइवे पर वाहनों की चेकिंग शुरू होते ही पहले झटके में जयसिंहपुर खेड़ा बॉर्डर पार कर चुके डंपर लपेटे में आ गए। इसके बाद अन्य डंपर चालकों तक रेड की सूचना पहुंची, तो हाइवे से ओवरलोड डंपर गायब हो गए। शाम तक चेकिंग के डर से ओवरलोड डंपर सड़क पर नजर नहीं आए।